खोरठा (इलेक्टिव)

30 अंक

खोरठा गइद–पइद संग्रह (गद्य भाग से पाठ 8 से 11 तक)
खोरठा निबंध पुस्तक से (पाठ 1,7 और 8)
डाह (नाटक) के दूसरे अंक के प्रथम दो दृश्य
फरीद डहर पाठ 4,5,6 एवं 7

–30 अंक

'एक पथिया डोंगल महुआ' पुस्तक से (पाठ 11,14,19,20,26,29)
सोंध माटी (पद्य भाग से) (पाठ 6,7,8 एवं 9)
'कविता पुरान' पुस्तक से (पृ0 सं0 40 से 60 तक की कविताएँ)

(ग) छंद, रस, अलंकार एवं खोरठा भाषा की विशेषताएँ –20 अंक
छंद – सोहराइ गीत, करम गीत
श्रस– माया हायनिसार (करूण), सिंगार एवं रस
टलंकार – दुमुहिया (यमक) चाइर मुड़िया (श्लेष)

(घ) निबंध –10 अंक
समाजिक, सांस्कृतिक अथवा साहित्यिक विषय पर एक निबंध

) खोरठा व्याकरण –10 अंक
उपसर्ग, जोड़ा सबद और खोरठा सबद भंडार

कुल– 100 अंक